POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A - III (Hons), Paper - V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D College, Tajpur,
Samastipur

लोक प्रशासन के अध्ययन के उपागम

लोक प्रशासन के अध्ययन के विविध उपागम प्रचलित हैं। इसके अध्ययन के निम्नलिखित प्रमुख दृष्टिकोण है —

(1) परम्परावादी या संगठनात्मक दृष्टिकोण :-

परम्परावादी दृष्टिकोण के प्रमुख समर्थक व्हाइट, विलोबी आदि हैं। इनका मानना है कि लोक प्रशासन की मूल समस्याएं संगठन के कानूनी ढांचे में जन्म लेती हैं जो संगठन के अंतर्सम्बंधों को औपचारिकता से प्रस्तुत कर, उनकी समस्याओं को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती हैं। इसके समर्थक संगठन के सिद्धांत, संगठनों की विविधताएं एवं 'संगठन को क्या चाहिए', आदि प्रश्नों को आधार बनाकर चले हैं। इसके समर्थक विद्वानों ने संस्थाओं, संगठनों के अध्ययन का विश्लेषण करने हेतु संगठनों के ग्राफ और मानचित्र प्रस्तुत किए हैं।

परम्परावादी या संगठनात्मक दृष्टिकोण के अंतर्गत अध्ययन के लिए विद्वानों के द्वारा विविध पद्धतियों का विकास किया गया है। जैसे:- ऐतिहासिक पद्धति, कानूनी पद्धति आदि।

Scanned with CamScanner